राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी,भारत

The National Academy of Sciences, India

5, लाजपतराय मार्ग, प्रयागराज–211002 5,Lajpatrai Road, Prayagraj - 211002

A Scientific Professional Body under the Department of Science & Technology, Govt. of India

SIRO recognized by the DSIR, Ministry of Science & Technology, Govt. of India

दिनांक: 27 सितम्बर, 2025

आमंत्रण पत्र

प्रोफ़ेसर स्वप्निल श्रीवास्तव

इविंग क्रिश्चियन कालेज , प्रयागराज

विषय: राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी एवं हिन्दी कार्यशाला हेतु आमंत्रण पत्र

महोदय,

सादर निवेदन है कि राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (नासी) एवं भा.वा.अ.शि.प. -परिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र, प्रयागराज के संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी के रूप में हिंदी कार्यशाला एवं हिंदी माह के अंतर्गत मनाये जा रहे हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह दिनांक 29 सितम्बर, 2025 (सोमवार) को प्रातः 10:30 बजे से अकादमी मुख्यालय के एम. जी. के. मेनन हॉल में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर आपकी गरिमामयी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन हम सभी के लिए अत्यंत प्रेरणादायी एवं उत्साहवर्धक होगा।

अतः आपसे सादर निवेदन है कि कृपया उक्त समय पर उपस्थित होकर अपने बहुमूल्य अंतदृष्टि से हम सबका कुशल मार्ग दर्शन करें।

सधन्यवाद

27/09/2025

(संतोष कुमार शुक्ला)

अधिशाषी सचिव एवं अध्यक्ष

राजभाषा कार्यान्यवन समिति

सूचनार्थ

1- प्रोफ़ेसर डी.एस.पांडेय, महासचिव- मुख्यालय,नासी

2- प्रोफ़ेसर जे.आर.बेल्लारे, महासचिवआउट स्टेशन-,नासी

3- प्रोफ़ेसर आर.एस.वर्मा, कोषाध्यक्ष - मुख्यालय,नासी

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी,भारत
The National Academy of Sciences, Indi
Azadi Ka Amrit Mahotsav
5, लाजपतराय मार्ग, प्रयागराज–211002 5.Lajpatrai Road. Prayagraj - 211002
A Scientific Professional Body under the Department of Science & Technology, Govt. of India
SIRO recognized by the DSIR, Ministry of Science & Technology, Govt. of India

दिनांक: 26 सितम्बर, 2025

आमंत्रण पत्र

श्री प्रकाश चन्द्र मिश्र

पूर्व निदेशक एवं सदस्य सचिव

न.रा.का.स., आयकर विभाग,प्रयागराज

विषय: राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी एवं हिन्दी कार्यशाला हेतु आमंत्रण पत्र

महोदय,

सादर निवेदन है कि राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (नासी) एवं भा.वा.अ.शि.प. -परिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र, प्रयागराज के संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी के रूप में हिंदी कार्यशाला एवं हिंदी माह के अंतर्गत मनाये जा रहे हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह दिनांक 29 सितम्बर, 2025 (सोमवार) को प्रातः 10:30 बजे से अकादमी मुख्यालय के एम. जी. के. मेनन हॉल में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर आपकी गरिमामयी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन हम सभी के लिए अत्यंत प्रेरणादायी एवं उत्साहवर्धक होगा।

अतः आपसे सादर निवेदन है कि कृपया उक्त समय पर उपस्थित होकर अपने बहुमूल्य अंतदृष्टि से हम सबका कुशल मार्ग दर्शन करें।

सधन्यवाद

26/09/2025

(संतोष कुमार शुक्ला)

अधिशाषी सचिव एवं अध्यक्ष

राजभाषा कार्यान्यवन समिति

सूचनार्थ

1- प्रोफ़ेसर डी.एस.पांडेय, महासचिव- मुख्यालय,नासी

2- प्रोफ़ेसर जे.आर.बेल्लारे, महासचिव-आउट स्टेशन,नासी

3- प्रोफ़ेसर आर.एस.वर्मा, कोषाध्यक्ष - मुख्यालय,नासी

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी,भारत

The National Academy of Sciences, India

5, लाजपतराय मार्ग, प्रयागराज–211002 *** 5,Lajpatrai Road, Prayagraj -211002

A Scientific Professional Body under the Department of Science & Technology, Govt. of India

SIRO recognized by the DSIR, Ministry of Science & Technology, Govt. of India

Azadi Ka Amrit Mahotsav

9 सितम्बर, 2025

कार्यालय आदेश

हिन्दी पखवाड़ा (दिनांक 14 से 28 सितम्बर, 2025) के अंतर्गत निम्नलिखित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिनमें विभिन्न प्रतियोगिताएं निम्नलिखित दिनांक पर आयोजित की जायेगी।

- 19/09/2025 शुक्रवार दोपहर 12:00 से 1:00 के मध्य **शब्दावली** प्रतियोगिता।
- 19/09/2025 शुक्रवार सायं 4:00 से 5:00 के मध्य निबन्ध लेखन प्रतियोगिता जिसका संबंधित विषय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए आई) पर आधारित होगा।
- 22/09/2025 सोमवार दोपहर 12:00 से 1:00 के मध्य **महाकुम्भ** विषय पर 25 शब्दों की कविता लेखन प्रतियोगिता ।
- 22/09/2025 सोमवार सायं 4:00 से 5:00 के मध्य **न्यूनतम 300 शब्दों** की व्यक्तिगत अनुभव पर आधारित कहानी लेखन प्रतियोगिता।
- 23/09/2025 मंगलवार दोपहर 12:00 से 12:15 के मध्य **हिंदी टंकण** प्रतियोगिता (समय सीमा 15 मिनट)
- 23/09/2025 मंगलवार सायं 4:00 से 5:00 के मध्य **आई गॉट कर्मयोगी (iGOT Karmayogi)** विषय पर अभिभाषण प्रतियोगिता।
- 24/09/2025 बुद्धवार सायं 4:00 से 4:30 के मध्य एम0टी0एस/हेल्पर/सिक्योरिटी गार्ड्स के लिए **श्रुतलेख (इमला लेखन)** प्रतियोगिता होगी जिसमें सभी एम0टी0एस0/हेल्पर की प्रतिभागिता अनिवार्य एवं अपेक्षित है।

अतः आप सभी प्रतिभागियों से निवेदन है कि अपना नाम यथाशीघ्र राजभाषा कार्यान्यवन समिति, नासी को **दिनांक 12 सितम्बर 2025** तक प्रेषित करने का कष्ट करें।

सादर धन्यवाद।

शक्तिशील चतुर्वेदी
सदस्य सचिव, राजभाषा कार्यान्यवन समिति, नासी

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी,भारत

The National Academy of Sciences, India

5, लाजपतराय मार्ग, प्रयागराज–211002 *** 5,Lajpatrai Road, Prayagraj -211002

A Scientific Professional Body under the Department of Science & Technology, Govt. of India

SIRO recognized by the DSIR, Ministry of Science & Technology, Govt. of India

दिनांकः **08/08/2025**

राष्ट्रपति जी के आदेशों के कार्यान्यवन के संबंध में संसदीय राजभाषा नीति द्वारा केंद्र सरकार के कार्यालयों का समय–समय पर निरीक्षण के उपरान्त समिति द्वारा राष्ट्रपति जी को प्रतिवेदन के नौवें खंड में जारी की गई संस्तुति एवं राष्ट्रपति जी के आदेश के सापेक्ष में अनुपालन संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत की जा रही है। जो कि आपके अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।

(मुहर सहित हस्ताक्षर)

08/08/2025

डा. सन्तोष कु० शुक्ला /Dr. Santosh Kr. Shukla
कार्यकारी सचिव / Executive Secretary
राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी / National Academy of Sciences, India
5, लाजपतराय मार्ग / 5, Lajpatrai Road,
इलाहाबाद-211002 / Allahabad-211002

मंत्रालय/विभाग/संगठन की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष का नाम– डॉ सन्तोष शुक्ला

पदनाम– अधिशासी सचिव, एवं अध्यक्ष राजभाषा कार्यान्वयन समिति, नासी

फोन नम्बर– 0532–2640224

ई–मेल– es@nasi.ac.in

परिपत्र

विषयः राष्ट्रपति जी के आदेशों का कार्यान्वयन।

उपर्युक्त विषय के संबंध में उल्लेखनीय है कि संसदीय राजभाषा नीति द्वारा केंद्र सरकार के कार्यालयों का समय–समय पर निरीक्षण किए जाने के उपरांत राष्ट्रपति जी के सिफारिशें की जाती है। समिति द्वारा राष्ट्रपति जी को प्रतिवेदन के नौवें खंड में की गई सिफारिशें निम्नानुसार हैः

संस्तुति संख्या	संस्तुति	राष्ट्रपति जी के आदेश	अनुपालन के सन्दर्भ में
3.	प्रशिक्षण कार्य शीघ्रातिशीघ्र पूरा करवाएँ, ताकि प्रशिक्षण कार्य एक वर्ष में पूरा हो सके। यदि नए भर्ती होने वाले कार्मिकों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त नहीं है, तो भर्ती के तुरन्त बाद ही सरकार को उन्हें प्रशिक्षण के लिए भेजना चाहिए।	यह संस्तुति स्वीकार की जाती है।	संस्तुति के अनुसार प्रक्रिया में है।
5.	कार्यालय में कम्प्यूटरों पर अविलम्ब द्वभाषी सुविधा उपलब्ध कराई जाए और कम्प्यूटरों पर काम करनें वालों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, ताकि वे हिंदी में कार्य कर सकें।	यह संस्तुति स्वीकार की जाती है।	संस्तुति के अनुरूप कार्य किया जा रहा है।
6.	हिंदी कार्यशालाओं के लिए बुलाए जाने वाले अतिथि वक्ताओं को भी अन्य विषयों के वक्ताओं के समान ही मानदेय दिया जाना चाहिए।	यह संस्तुति स्वीकार की जाती है।	संस्तुति के अनुरूप कार्य किया जा रहा है।
11.	प्रत्येक कार्यालय के वरिष्ठतम अधिकारी सभी अधीनस्थ अधिकारियों द्वारा हिंदी में किए गए कार्य की समीक्षा करें और आगामी माह के लिए हिंदी में कार्य करने हेतु लक्ष्य निर्धारित करें और उन्हें क्या–क्या काम हिंदी में करने है इस संबंध में निर्देश दें।	यह संस्तुति स्वीकार की जाती है।	संस्तुति के अनुरूप कार्य किया जा रहा है।
12.	विभिन्न कार्यालयों में राजभाषा में राजभाषा संबंधी रिक्त पड़े हुए पदों को अविलंब भरा जाए।	यह संस्तुति स्वीकार की जाती है।	संस्तुति के अनुसार प्रक्रिया में है। (डी.एस.टी को सूचित किया जा चुका है)
13.	सभी प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रशिक्षण सामग्री को द्वभाषी रूप में उपलब्ध करवाने के संबंध में समुचित कार्यवाई की जाए।	यह संस्तुति स्वीकार की जाती है।	लागू नहीं।
14.	प्रत्येक कार्यालय में राजभाषा कार्यावान्यन समितियां अपने कार्यान्वयन में सुधार लाएँ और सभी बैठकों में उपर्युक्त सभी मदों की समीक्षा करते हुए समुचित कार्यवाई की जाए।	यह संस्तुति स्वीकार की जाती है।	संस्तुति के अनुरूप कार्य किया जा रहा है।
16.	मॉनीटरिंग तंत्र को प्रभावी बनाने के लिए समिति यह संस्तुति करती है कि एक प्रोफार्मा (राजभाषा से संबंधित) तैयार किया जाए और जब भी कोई अधिकारी (वरिष्ठतम अधिकारी सहित) अपने किसी अधीनस्थ कार्यालय में निरीक्षण या दौरे पर जाए तो उससे राजभाषा का निरीक्षण अवश्य करवाया जाए और उक्त प्रोफॉर्मा को अनिवार्य रूप से भरवाया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक कार्यालय का वर्ष में कम से कम एक राजभाषा संबंधी निरीक्षण उच्च प्राधिकारी द्वारा अवश्य हो।	यह संस्तुति स्वीकार की जाती है।	संस्तुति के अनुसार प्रक्रिया में है।
17.	मॉनीटरिंग के इसी क्रम में प्रत्येक कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की सभी चार बैठकें अवश्य सुनिश्चित की जाए और बैठक के दौरान कार्यालय के विभिन्न अनुभागों में हो रही राजभाषा संबंधी प्रगति का मानीटरिंग	यह संस्तुति स्वीकार की जाती है।	संस्तुति के अनुरूप कार्य किया जा रहा है।

	किया जाए।		
18.	सभी मंत्रालय/मुख्यालय यह सुनिश्चित करें कि उनके नियंत्रणाधीन सभी छोटे बड़े कार्यालय, बैंक, उपक्रम, संस्थान, अधिकरण आदि अपने–अपने नगरों की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य बन गए है।	यह संस्तुति स्वीकार की जाती है।	संस्तुति के अनुरूप कार्य किया जा रहा है।
22.	सभी केंद्रीय कार्यालयों में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु कम से कम एक हिंदी पद अवश्य सृजित किया जाए। राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु न्यूनतम हिंदी पद सृजन की इस अवधारणा को तत्काल लागू किया जाए।	यह संस्तुति स्वीकार की जाती है।	संस्तुति के अनुसार प्रक्रिया में है।
23.	एक वर्ष से अधिक समय तक रिक्त पड़े हुए हिंदी के पदों को समाप्त नही किया जाए।	यह संस्तुति स्वीकार की जाती है।	संस्तुति के अनुसार प्रक्रिया में है।
42.	विभिन्न निरीक्षणों, मौखिक साक्ष्यों तथा विचार–विमर्श कार्यक्रमों के दौरान समिति ने महसूस किया है कि हिंदी पाठ्य समग्रियों, शब्दावलियों आदि की भाषा को आसानी से समझने एवं व्यावहारिक प्रयोग के लिए हिंदी के कठिन शब्दों के स्थान पर अंग्रेजी शब्दों का यथावत हिंदी में प्रयोग किया जाए।	यह संस्तुति स्वीकार की जाती है।	संस्तुति के अनुरूप कार्य किया जा रहा है।
48.	समिति पुनः संस्तुति करती है कि किसी भी स्थिति में कम से कम 50% धन हिंदी विज्ञापनों पर तथा शेष 50% क्षेत्रीय भाषाओं तथा अंग्रेजी पर किया जाए।	संसदीय राजभाषा समिति के प्रतिवेदन खंड 8 की सिफारिश सं. 70 पर लिए गए आदेश को अधिक्रमित करते हुए खंड 9 की सिफारिश सं. 48 एवं 88 पर की गई संस्तुतियाँ इस संशोधन के साथ स्वीकार की जाती है कि मंत्रालयों/विभाग/कार्यालय ों/ उपक्रमों आदि द्वारा जो भी विज्ञापन अंग्रेजी/क्षेत्रीय भाषाओं में दिये जाते हैं, उन्हें हिंदी भाषा में अनिवार्य रूप से दिया जाएगा।	संस्तुति के अनुरूप कार्य किया जा रहा है।
49.	जहां तक संभव हो हिंदी एवं क्षेत्रीय भाषाओं में ही विज्ञापन जारी किए जाएं।		संस्तुति के अनुरूप कार्य किया जा रहा है।
50.	जहां विज्ञापन द्वभाषी रूप में जारी करना आवश्यक हों, वहाँ उन्हें डिग्लॉट रूप में दिया जाए।		संस्तुति के अनुरूप कार्य किया जा रहा है।
51.	लागत को समान रखने के लिए हिंदी के विज्ञापन बड़े आकार में तथा मुख्य पृष्ठ पर दिए जाएँ, जबकि अंग्रेजी के विज्ञापन छोटे आकार में अंतिम पृष्ठ या बीच के पृष्ठ पर दिए जा सकते है।		संस्तुति के अनुसार प्रक्रिया में है।
52.	जिन कार्यालयों में पुस्तकालय अनुदान का कोई बजट आबंटन न हो, तो वहां कुल कार्यालयीन व्यय का न्यूनतम एक प्रतिशत हिंदी पुस्तकों पर खर्च किया जाए। यहाँ यह भी ध्यान रखना है कि पचास प्रतिशत या एक प्रतिशत के संदर्भ में जो राशि अधिक हो वह हिंदी पुस्तकों की खरीद पर खर्च की जाएगी।	यह संस्तुति इस संशोधन के साथ स्वीकार की जाती है कि कार्यालयों/पुस्तकालयों के लिए धनराशि में से जर्नल व संदर्भ साहित्य की खरीद किए जाने के बाद बची राशि का 50 प्रतिशत या कार्यालय का न्यूनतम एक प्रतिशत, जो भी राशि अधिक हो वह हिंदी पुस्तकों	संस्तुति के अनुरूप कार्य किया जा रहा है।

		की खरीद पर खर्च की जाए।	
54.	सरकारी सेवा में हिंदी साहित्य में रचनात्मक कार्य करने वाले प्रतिभाशाली कार्मिकों को विशेष प्रोत्साहन या पदोन्नति दी जाए।	यह संस्तुति इस संशोधन के साथ स्वीकार की जाती है कि हिंदी साहित्य के क्षेत्र में रचनात्मक कार्य से जुड़ें कार्मिकों को विशेष प्रोत्साहन दिया जाए।	संस्तुति के अनुसार प्रक्रिया में है।
56.	सभी मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों आदि में वेलफेयर क्लब्स के माध्यम से पुस्तक क्लब गठित किए जाएँ।	यह संस्तुति स्वीकार की जाती है।	संस्तुति के अनुसार प्रक्रिया में है।
60.	क्षेत्र के आधार पर गृह पत्रिकाओं को हिंदी और संबंधित क्षेत्र विशेष की भाषा में छापा जाए ताकि क्षेत्रीय भाषा में लेखन क्षमता रखने वाले कर्मचारियों को भी अवसर और प्रोत्साहन मिले।	यह संस्तुति स्वीकार की जाती है।	संस्तुति के अनुसार प्रक्रिया में है।

(मुहर सहित हस्ताक्षर)

08/08/2025

डा. सन्तोष कु० शुक्ला /Dr. Santosh Kr. Shukla

मंत्रालय/विभाग/संगठन की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष का नाम- डॉ सन्तोष शुक्ला

पदनाम- अधिशासी सचिव, एवं अध्यक्ष राजभाषा कार्यान्वयन समिति, नासी

फोन नम्बर- 0532-2640224

ई-मेल- es@nasi.ac.in

The National Academy of Sciences, India

5, Lajpatrai Road, Allahabad-211002

संलग्नक

प्रमाण–पत्र

कार्यलय कोडः OFUP4731 वित्तीय वर्ष. 2025–26

"मैं यह प्रमाणित करता/करती हूँ कि संलग्न 01 अप्रैल– 30 जून 2025 को समाप्त तिमाही प्रगति रिपोर्ट (भाग–I/II) में दी गई सूचना उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर बनाई गई है तथा मेरी जानकारी के अनुसार पूर्णतया सत्य है। मैं यह अच्छी तरह से समझता/समझती हूँ कि राजभाषा अधिनियम, 1963 एवं राजभाषा नियम, 1976 के उपबंधों में दिए गए निदेशों के समुचित अनुपालन की जिम्मेदारी अधोहस्ताक्षरी की है। यदि किसी स्टेज पर रिपोर्ट में भरे गए आंकड़े असत्य अथवा बढ़ा–चढ़ा कर दिखाए गए पाए जाते है तो इस कार्यालय को अगले 03 वर्षो के लिए राजभाषा पुरस्कार से वंचित कर दिया जाएगा तथा गलत सूचना देने के लिए कार्यवाई हेतु मामला मेरे नियंत्रक कार्यालय/मंत्रालय के संज्ञान में भी लाया जायेगा।

(मुहर सहित हस्ताक्षर)

17/07/2025

मंत्रालय/विभाग/संगठन की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष का नाम– डॉ सन्तोष शुक्ला
पदनाम– अधिशासी सचिव
मंत्रालय/विभाग/संगठन का नाम– विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार नई दिल्ली

दूरभाषः 0532–2640224
ईमेल का पता es@nasi.ac.in
Dr. Santosh Kr. Shukla
Executive Secretary
The National Academy of Sciences, India
5, लाजपतराय मार्ग /5, Lajpatrai Road
इलाहाबाद- 211002/Allahabad-211002

तिथिः– 17-07-2025

स्थानः– प्रयागराज

नोटः– उक्त हस्ताक्षरित प्रमाण–पत्र की पी.डी.एफ. सॉफ्टकापी तिमाही प्रगति रिपोर्ट के साथ अनिवार्य रूप से लोड की जाए अन्यथा आपकी रिपोर्ट अधूरी समझी जाएगी।

केंद्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों/सम्बद्ध एवं अधीनस्थ कार्यालयों आदि में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट

(01 अप्रैल, 2025 – 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही)

भाग–1(प्रत्येक तिमाही की समाप्ति पर भरा जाए)

कार्यालय का नाम और पूरा पता– राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत,(नासी) 5, लाजपतराय रोड न्यू कटरा प्रयागराज –211002

संबंधित राजभाषा कार्यकारी का फोन नं0– (एस.टी.डी. कोड) 0532 (फोन नं.) 2640224 ईमेल– rajbhasha@nasi.ac.in

1. माननीय मंत्री जी को भेजी गई फाइलों का ब्यौरा

(क) तिमाही के दौरान संबंधित माननीय मंत्री जी को कितनी फाइलें भेजी गई – लागू नहीं

(ख) इसमें से कितनी फाइलें हिंदी में भेजी गई – लागू नहीं

2. सचिव/समकक्ष स्तर पर बैठकों/फाइलों का ब्यौरा

क. सचिव/समकक्ष स्तर पर कितनी बैठकें आयोजित की गई –	08
ख. इनमें से कितनी बैठकों कार्यवाही हिंदी में की गई/कार्यवृत्त हिंदी में जारी किये गए –	08
ग. सचिव/समकक्ष के स्तर से सीधे जारी किये गये कुल कागजात/ईमेल –	20
घ. हिंदी में जारी किये गये कागजात की कुल संख्या–	18

3. राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत जारी दस्तावेज

(क) जारी दस्तावेज (ईमेल/कागजात) की कुल संख्या 136

(ख) द्विभाषी रूप में जारी किए गये दस्तावेज की संख्या 45

(ग) केवल अंग्रेजी में जारी किये गये दस्तावेज 34

(घ) केवल हिंदी में जारी किये गए दस्तावेज 57

(सामान्य आदेश, नियम अधिसूचनाएं प्रशासनिक तथा अन्य रिपोर्ट व सरकारी कागजात संविदाए करार अनुज्ञप्तियां अनुज्ञापत्र निविदा सूचनाएं और निविदा प्रपत्र द्विभाषिक रूप में (अंग्रेजी और हिंदी में जारी)

4. हिंदी में प्राप्त पत्र (राजभाषा नियम–5)

(क) हिंदी में प्राप्त पत्रों की कुल संख्या	27
(ख) इनमें से कितनों के उत्तर दिए जाने अपेक्षित नही थे	00
(ग) इनमें से कितनों के उत्तर हिंदी/द्विभाषी में दिए गये	27
(घ) इनमें से कितनों के उत्तर अंग्रेजी में दिए गए	00

5. अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिंदी में दिए जाने की स्थिति (केवल, 'क' एवं 'ख' क्षेत्र में स्थित कार्यालयों के लिए)

	अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों की संख्या	इनमें से कितनों के उत्तर द्विभाषी/हिंदी में दिए गये	इनमें से कितनों के उत्तर अंग्रेजी में दिए गये	इनमें से कितनों के उत्तर अपेक्षित नही थे
	1	2	3	4
'क' क्षेत्र को	349	344	00	05
'ख' क्षेत्र को	97	95	00	02

6. मूल रूप से भेजे गए पत्रों का ब्यौरा

	द्विभाषी/हिंदी में	अंग्रेजी में	भेजे गये पत्रों की कुल संख्या	हिंदी में भेजे गए पत्रों का प्रतिशत
	1	2	3	4
'क' क्षेत्र को	78	03	81	96.30%
'ख' क्षेत्र को	15	01	16	93.75%
'ग' क्षेत्र को	09	01	10	90.00%

7. फाइलों/आवतियों/ई–ऑफिस पर टिप्पण लेखन का ब्यौरा

हिंदी में लिखी गई टिप्पणियों के पृष्ठों की संख्या	64
अंग्रेजी में लिखी गई टिप्पणियों के पृष्ठों की संख्या	00

17-07-25

17-07-2025

टिप्पणियों के पृष्ठों की कुल संख्या	64
ई–ऑफिस के माध्यम से भेजी गई टिप्पणियों की संख्या	00

*हिंदी में टिप्पण –पृष्ठों की गणना करते समय आधे से कम लिखे हुए पृष्ठ को आधा पृष्ठ तथा आधे से अधिक लिखे हुए पृष्ठ को पूरा पृष्ठ समझा जाए।

**मद संख्या 3 व 5 के संबंध में हिंदी के भेजे गए तथा प्राप्त अधिकारिक मेल को भी शामिल किया जाए।

8. हिंदी कार्यशालाए

तिमाही के दौरान पूर्ण दिवसीय आयोजित कार्यशालाओं की संख्या	इनमें प्रशिक्षित कार्मिकों की कुल संख्या अधिकारी	कर्मचारी
1	2	3
01	02	05 स्थायी एवं 06 संविदा कर्मचारी कुल 11 कर्मचारी

नोटः कार्यालयों के समस्त कार्मियों को 2 वर्ष में कम से कम एक बार प्रशिक्षित किया जाना अपेक्षित है।

9. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

क. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक की तिथि	05/06/2025
ख. अधीनस्थ कार्यालयों में गठित राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की संख्या	00
ग. तिमाही में आयोजित बैठकों की संख्या	01
घ. बैठकों से संबंधित कार्यसूची और कार्यवृत्त क्या हिंदी में जारी किए गए है?	हां

10. हिंदी सलाहकार समिति की बैठक के आयोजन की तिथि –

11. तिमाही में किए गए उल्लेखनीय कार्य/उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण (अधिकतम 500 कैरेक्टर)

1. 06 जून 2025 को **गणित में प्रकृति** विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

12. उल्लिखित आंकड़ो की सत्यता के संबंध में प्रमाण –पत्र संलग्न है। **हाँ**

(मुहर सहित हस्ताक्षर)

17/07/2025

मंत्रालय/विभाग/संगठन की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष का नाम– डॉ सन्तोष शुक्ला
पदनाम– अधिशासी सचिव, एवं अध्यक्ष राजभाषा कार्यान्वयन समिति
फोन नम्बर– 0532–2640224
ई–मेल– es@nasi.ac.in

Dr. Santosh Kr. Shukla
Secretary
राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत
The National Academy of Sciences, India
5, लाजपतराय मार्ग /5, Lajpatrai Road,
इलाहाबाद- 211002/Allahabad-211002

नोटः– कोई भी कॉलम खाली न छोड़ा जाए और सूचना स्पष्ट रूप से दी जाए।

17-7-2025

17.07.2025

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, प्रयागराज

5, लाजपतराय रोड प्रयागराज –211002

हिंदी समिति बैठक (05 जून 2025) की कार्यसूची

1. दिनांक 25 फरवरी, 2025 को राजभाषा कार्यान्यवन समिति के कार्यवृत्ति की पुष्टि।
2. हिंदी कार्यशाला के आयोजन के तिथि पर विचार विश्लेषण एवं कार्यशाला 06 जून, 2025 के आयोजन पर पुष्टि।
3. हिंदी कार्यशाला के लिए "गणित में प्रकृति" विषय पर विचार मंथन एवं मुख्य अतिथि हेतु प्रो0 शब्द शरण खरे (पूर्व प्रो. वाइस चान्सलर, नार्थ ईर्स्टन हिल यूनिर्वसिटी), शिलांग के आमंत्रण पर पुष्टि।
4. अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य विषय।

17/07/2025

17-07-2025

17-07-25

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, प्रयागराज

5, लाजपतराय रोड प्रयागराज –211002

हिंदी कार्यशाला (06 जून, 2025) की कार्यवृत्ति

दिनांक 06 जून 2025 को ''गणित में प्रकृति'' विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (नासी), प्रयागराज के सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें नासी के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इस बैठक की अध्यक्षता डॉ सन्तोष कुमार शुक्ला, अधिशासी सचिव (अध्यक्ष, रा0का0स0, नासी) ने की। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो0 शब्द शरण खरे (पूर्व प्रो. वाइस चान्सलर, नार्थ ईर्स्टन हिल यूनिर्वसिटी) शिलांग उपस्थित रहें।

उक्त बैठक में निम्नलिखित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित रहें।

1. डॉ पवित्रा टंडन सहा0 अधिशासी सचिव, उपसचिव रा0का0स0
2. श्रीमती दीप्ति जायसवाल, सहायक – सदस्य रा0का0स0
3. श्री शक्तिशील चतुर्वेदी, सहायक – सदस्य, सचिव रा0का0स0
4. श्री अंकित कुमार त्रिवेदी, सहायक – सदस्य रा0का0स0
5. श्री राघवेन्द्र प्रताप, सहायक – सदस्य रा0का0स0
6. श्री नवीन कुमार श्रीवास्तव, सहायक – सदस्य रा0का0स0
7. श्रीमती मीरा शुक्ला, गंगा गैलरी सहायक (आउटर्सोस) – अतिथि सदस्य,रा0का0स0
8. श्री राजीव मिश्रा, लेखाविभाग सहायक (आउटर्सोस) – अतिथि सदस्य,रा0का0स0
9. कु0 रश्मि मिश्रा, सहायक (आउटर्सोस) – अतिथि सदस्य,रा0का0स0
10. आशुतोष मिश्रा, सहायक (आउटर्सोस) – अतिथि सदस्य,रा0का0स0
11. श्री लक्ष्य मेहरोत्रा, सहायक (आउटर्सोस) – अतिथि सदस्य,रा0का0स0
12. श्री विनय अग्रहरी, सहायक (आउटर्सोस) – अतिथि सदस्य,रा0का0स0
13. श्री अंचित श्रीवास्तव, सहायक (आउटर्सोस) – अतिथि सदस्य,रा0का0स0

17-07-25

17-07-2025

17/07/2025

कार्यक्रम के प्रारंभ में नासी के अधिशासी सचिव डॉ. सन्तोष शुक्ला द्वारा अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया।

डॉ. सन्तोष शुक्ला ने कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रो. शब्द शरण खरे का परिचय देते हुए बताया कि प्रोफेसर खरे पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय (नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी) शिलांग के गणित विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष तथा प्रो. वाइस चान्सलर, भी रहे है।

प्रोफेसर खरे ने ''गणित में प्रकृति'' विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि गणित और प्रकृति के बीच का संबंध अत्यंत गूढ़, रहस्यमयी और रोचक है। जहाँ एक ओर गणित मानव मस्तिष्क की तर्कसंगत खोज है, वहीं दूसरी ओर प्रकृति स्वयं में उन नियमों और पैटर्न्स का पालन करती है जो गणित के मूल सिद्धांतों से मेल खाते हैं अर्थात गणित प्रकृति की भाषा है। फिबोनाच्ची संख्याएँ और स्वर्ण अनुपात इसका एक अत्यन्त रोचक उदाहरण है। फिबोनाच्ची श्रृंखला 0 और 1 से प्रारंभ होती है और इसके बाद प्रत्येक संख्या पिछले दो अंको का योग होती है जैसे 0,1,1,2,3,5,8,13,21,.....। जैसे–जैसे यह श्रृखला आगे बढ़ती है, क्रमागत संख्याओं का अनुपात एक स्थिर मान के करीब पहुँचता है, जिसे गोल्डन अनुपात या स्वर्ण अनुपात कहा जाता है जिसका मान लगभग 1.618 होता है जिसे ग्रीक अक्षर ϕ (फाई) से दर्शाया जाता है।

फिबोनाच्ची अनुक्रम, और स्वर्ण अनुपात मात्र एक गणितीय कल्पना नही है, बल्कि यह अनुपात प्रकृति, कला, मानव शरीर और वास्तुकला में अद्भुत रूप से विद्यमान हैं। पेड़ की शाखाओं का फैलाव तथा उसके पत्तियों का पैर्टन, समुद्री सीपियों की संरचना, बादलों की आकृति, पुष्प की पंखुडियो के व्यवस्था (पैटर्न) का क्रम व अनुपात गणितीय होते हुए भी सौंदर्य, संतुलन और प्रकृति के गहरे रहस्यों को उजागर करता है।

मानव शरीर की सुंदरता के संदर्भ में, स्वर्ण अनुपात को अक्सर संतुलन और आकर्षण से जोड़ा जाता है। कई अध्ययनों के अनुसार जिन चेहरों और शरीरों को सुंदर माना जाता है उनमें अक्सर यह अनुपात पाया गया है। जैसे– आँख की दूरी, नाक की चौडाई, ठुड्डी की लंबाई और हाथ पैरों के अनुपात आदि इन सबमें स्वर्ण अनुपात देखने को मिलता है।

फिबोनाच्ची संख्याएँ और गोल्डन अनुपात (स्वर्ण अनुपात), केवल प्राकृतिक संचरनाओं तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि संस्कृति, वास्तुकला में भी ये चमत्कारिक रूप से देखने को मिलते हैं।

भारत में बहुत से प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्मारक और मंदिर ऐसे हैं जिनमें स्वर्ण अनुपात की झलक मिलती है। ताजमहल जो विश्व की सबसे सुंदर इमारतों में गिना जाता है, उसके स्थापत्य कला में भी गोल्डन अनुपात

17-07-2025

17-07-25

17/07/2025

की अनुपम छाप मिलती है। मुख्य गुंबद की ऊँचाई एवं आधार, साथ ही सामने के फव्वारों और बगीचों के आयाम, सभी में यह अनुपात मौजूद है, जो उसकी सौंदर्यपूर्ण समरूपता का कारण बनता है। इसी तरह कोणार्क का सूर्य मंदिर, जो उड़ीसा में स्थित है, उसकी संरचना विशाल रथ की तरह है, और इसकी गाड़ी के पहिये, उनकी संख्या और मध्य–केन्द्र भी फिबोनाच्ची संख्याओं की व्यवस्था से मेल खाते हैं।

भारतीय कला और शिल्प की परंपरा में भी फिबोनाच्ची संख्याएँ अनजाने में ही शामिल होती रहीं। जैसे कि वारली चित्रकला, मधुबनी पेंटिंग, और मंडला आर्ट जैसी पारंपरिक कलाओं में वृत्तों, रेखाओं और आकृतियों की आवृत्ति में कई बार स्वाभाविक रूप से ये पैटर्न उभरते हैं, जो प्रकृति की संरचना को दर्शाते हैं।

भारतीय शास्त्रीय संगीत में भी इस क्रम की झलक मिलती है। कुछ रागों में स्वर या मात्राओं का संयोजन इस तरह होता है कि वे फिबोनाच्ची अनुक्रम से मेल खाते हैं। उदाहरण के लिए, सप्तक के सात स्वर (सा, रे, गा, मा, प, ध, नि) भी एक तरह से प्राकृतिक अनुक्रम को दर्शाते हैं, जिसमें विविधता और संतुलन का अद्भुत समावेश होता है।

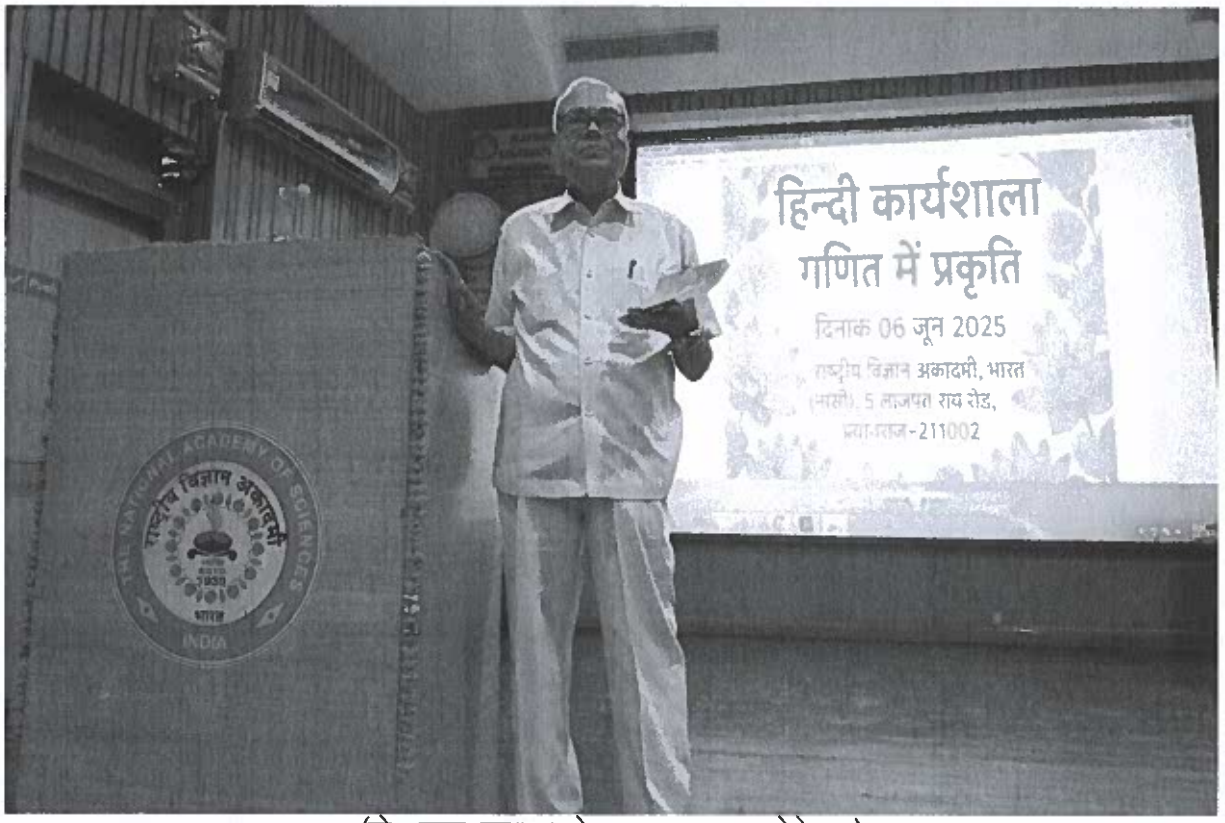

(प्रो0 शब्द शरण खरे द्वारा व्याख्यान देते हुए)

सभा के अन्त में डा0 शुक्ला जी द्वारा मुख्य अतिथि एवं उपस्थित सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापन करते हुए बैठक का समापन किया एवं गणितीय जिज्ञासा को सतत प्रोत्साहित करने का आवाहन किया।

धन्यवाद।

17-07-2025

भवदीय

17.07.25

(शक्तिशील चतुर्वेदी)
सहायक सदस्य, सचिव रा0का0स0
नासी प्रयागराज

17/7/2025

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, प्रयागराज

5 लाजपतराय रोड प्रयागराज –211002

हिंदी समिति की बैठक (04 सितम्बर, 2025) की कार्यसूची

1. दिनांक 06 जून 2025 को ''गणित में प्रकृति'' विषय पर आयोजित हुए कार्यशाला के कार्यवृत्त की पुष्टि। (प्रति संलग्न –1)

2. हिन्दी पखवाड़ा (14 से 28 सितम्बर, 2025) के अर्न्तगत आयोजित होने वाले विभिन्न प्रतियोगिताओं के संदर्भ में उनके विषय एवं दिनांक निर्धारित करने हेतु विचार विमर्श।

3. हिंदी प्रतियोगिताओं के आयोजन के अंर्तगत विभिन्न प्रतियोगिताओं की पुरस्कार राशि एवं प्रत्येक प्रतिभागी को दिये जाने वाले अधिकतम पुरस्कार की संख्या विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी0एस0टी0) द्वारा दिनांक 02 सितम्बर, 2025 को जारी कार्यालय ज्ञापन संख्या 14011/112025 रा0भा0 के अनुसार दिये जाने पर विचार विमर्श। (कार्यालय ज्ञापन की प्रति संलग्न –2)

4. अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य विषय।

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, प्रयागराज

5, लाजपतराय रोड प्रयागराज –211002

हिंदी कार्यशाला (06 जून, 2025) की कार्यवृत्ति

दिनांक 06 जून 2025 को "गणित में प्रकृति" विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (नासी), प्रयागराज के सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें नासी के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इस बैठक की अध्यक्षता डॉ सन्तोष कुमार शुक्ला, अधिशासी सचिव (अध्यक्ष, रा0का0स0, नासी) ने की। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो0 शब्द शरण खरे (पूर्व प्रो. वाइस चान्सलर, नार्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी) शिलांग उपस्थित रहें।

उक्त बैठक में निम्नलिखित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे।

1. डॉ पवित्रा टंडन सहा0 अधिशासी सचिव, उपसचिव रा0का0स0
2. श्रीमती दीप्ति जायसवाल सहायक – सदस्य रा0का0स0
3. श्री शक्तिशील चतुर्वेदी, सहायक – सदस्य सचिव रा0का0स0
4. श्री अंकित कुमार त्रिवेदी, सहायक – सदस्य रा0का0स0
5. श्री राघवेन्द्र प्रताप, सहायक – सदस्य रा0का0स0
6. श्री नवीन कुमार श्रीवास्तव, सहायक – सदस्य रा0का0स0
7. श्रीमती मीरा शुक्ला गंगा गैलरी सहायक (आउटसोर्स) – अतिथि सदस्य रा0का0स0
8. श्री राजीव मिश्रा, लेखाविभाग सहायक (आउटसोर्स) – अतिथि सदस्य रा0का0स0
9. कु0 रश्मि मिश्रा, सहायक (आउटसोर्स) – अतिथि सदस्य रा0का0स0
10. आशुतोष मिश्रा, सहायक (आउटसोर्स) – अतिथि सदस्य रा0का0स0
11. श्री लक्ष्य मेहरोत्रा, सहायक (आउटसोर्स) – अतिथि सदस्य, रा0का0स0
12. श्री विनय अगहरी, सहायक (आउटसोर्स) – अतिथि सदस्य रा0का0स0
13. श्री अंचित श्रीवास्तव, सहायक (आउटसोर्स) – अतिथि सदस्य रा0का0स0

17/07/2025

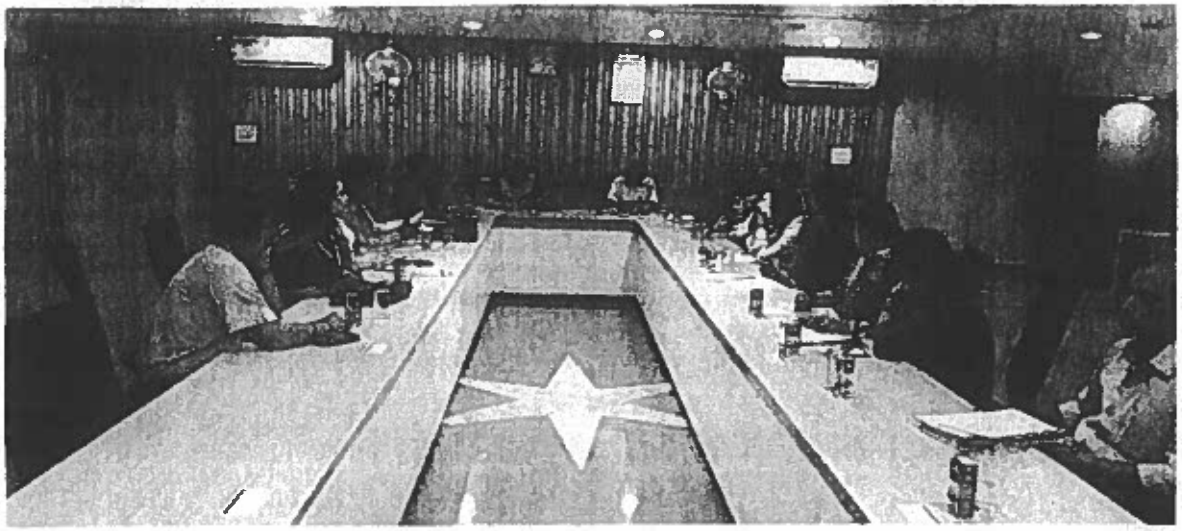

कार्यक्रम के प्रारंभ में नासी के अधिशासी सचिव डॉ. सन्तोष शुक्ला द्वारा अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया।

डॉ. सन्तोष शुक्ला ने कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रो. शब्द शरण खरे का परिचय देते हुए बताया कि प्रोफेसर खरे पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय (नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी) शिलांग के गणित विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष तथा प्रो. वाइस चान्सलर भी रहे है।

प्रोफेसर खरे ने "गणित में प्रकृति" विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि गणित और प्रकृति के बीच का संबंध अत्यंत गूढ़, रहस्यमयी और रोचक है। जहाँ एक ओर गणित मानव मस्तिष्क की तर्कसंगत खोज है, वहीं दूसरी ओर प्रकृति स्वयं में उन नियमों और पैटर्न्स का पालन करती है जो गणित के मूल सिद्धांतों से मेल खाते है अर्थात गणित प्रकृति की भाषा है। फिबोनाच्ची संख्याएँ और स्वर्ण अनुपात इसका एक अत्यन्त रोचक उदाहरण है। फिबोनाच्ची श्रृंखला 0 और 1 से प्रारंभ होती है और इसके बाद प्रत्येक संख्या पिछले दो अंको का योग होती है जैसे 0,1,1,2,3,5,8,13,21,.....। जैसे–जैसे यह श्रृखला आगे बढ़ती है, क्रमागत संख्याओं का अनुपात एक स्थिर मान के करीब पहुँचता है, जिसे गोल्डन अनुपात या स्वर्ण अनुपात कहा जाता है जिसका मान लगभग 1.618 होता है जिसे ग्रीक अक्षर ϕ (फाई) से दर्शाया जाता है।

फिबोनाच्ची अनुक्रम, और स्वर्ण अनुपात मात्र एक गणितीय कल्पना नही है, बल्कि यह अनुपात प्रकृति, कला, मानव शरीर और वास्तुकला में अद्भुत रूप से विद्यमान हैं। पेड़ की शाखाओं का फैलाव तथा उसके पत्तियों का पैर्टन, समुद्री सीपियों की संरचना, बादलों की आकृति, पुष्प की पंखुडियों के व्यवस्था (पेटर्न) का क्रम व अनुपात गणितीय होते हुए भी सौंदर्य, संतुलन और प्रकृति के गहरे रहस्यों को उजागर करता है।

मानव शरीर की सुंदरता के संदर्भ में, स्वर्ण अनुपात को अक्सर संतुलन और आकर्षण से जोडा जाता है। कई अध्ययनों के अनुसार जिन चेहरों और शरीरों को सुंदर माना जाता है उनमें अक्सर यह अनुपात पाया गया है। जैसे– आँख की दूरी, नाक की चौडाई, ठुड्डी की लंबाई और हाथ पैरों के अनुपात आदि इन सबमें स्वर्ण अनुपात देखने को मिलता है।

फिबोनाच्ची संख्याएँ और गोल्डन अनुपात (स्वर्ण अनुपात), केवल प्राकृतिक संचरनाओं तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि संस्कृति, वास्तुकला में भी ये चमत्कारिक रूप से देखने को मिलते हैं।

भारत में बहुत से प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्मारक और मंदिर ऐसे हैं जिनमें स्वर्ण अनुपात की झलक मिलती है। ताजमहल जो विश्व की सबसे सुंदर इमारतो मे गिना जाता है, उसके स्थापत्य कला में भी गोल्डन अनुपात

की अनुपम छाप मिलती है। मुख्य गुंबद की ऊँचाई एवं आधार, साथ ही सामने के फव्वारों और बगीचों के आयाम, सभी में यह अनुपात मौजूद है, जो उसकी सौंदर्यपूर्ण समरूपता का कारण बनता है। इसी तरह कोणार्क का सूर्य मंदिर, जो उड़ीसा में स्थित है, उसकी संरचना विशाल रथ की तरह है, और इसकी गाड़ी के पहिये, उनकी संख्या और मध्य केन्द्र भी फिबोनाच्ची संख्याओं की व्यवस्था से मेल खाते हैं।

भारतीय कला और शिल्प की परंपरा में भी फिबोनाच्ची संख्याएँ अनजाने में ही शामिल होती रहीं। जैसे कि वारली चित्रकला, मधुबनी पेंटिंग और मंडला आर्ट जैसी पारंपरिक कलाओं में वृत्तों, रेखाओं और आकृतियों की आवृत्ति में कई बार स्वाभाविक रूप से ये पैटर्न उभरते हैं, जो प्रकृति की संरचना को दर्शाते हैं।

भारतीय शास्त्रीय संगीत में भी इस क्रम की झलक मिलती है। कुछ रागों में स्वर या मात्राओं का संयोजन इस तरह होता है कि वे फिबोनाच्ची अनुक्रम से मेल खाते हैं। उदाहरण के लिए, सप्तक के सात स्वर (सा, रे, गा, मा, प, ध, नि) भी एक तरह से प्राकृतिक अनुक्रम को दर्शाते हैं, जिसमें विविधता और संतुलन का अद्भुत समावेश होता है।

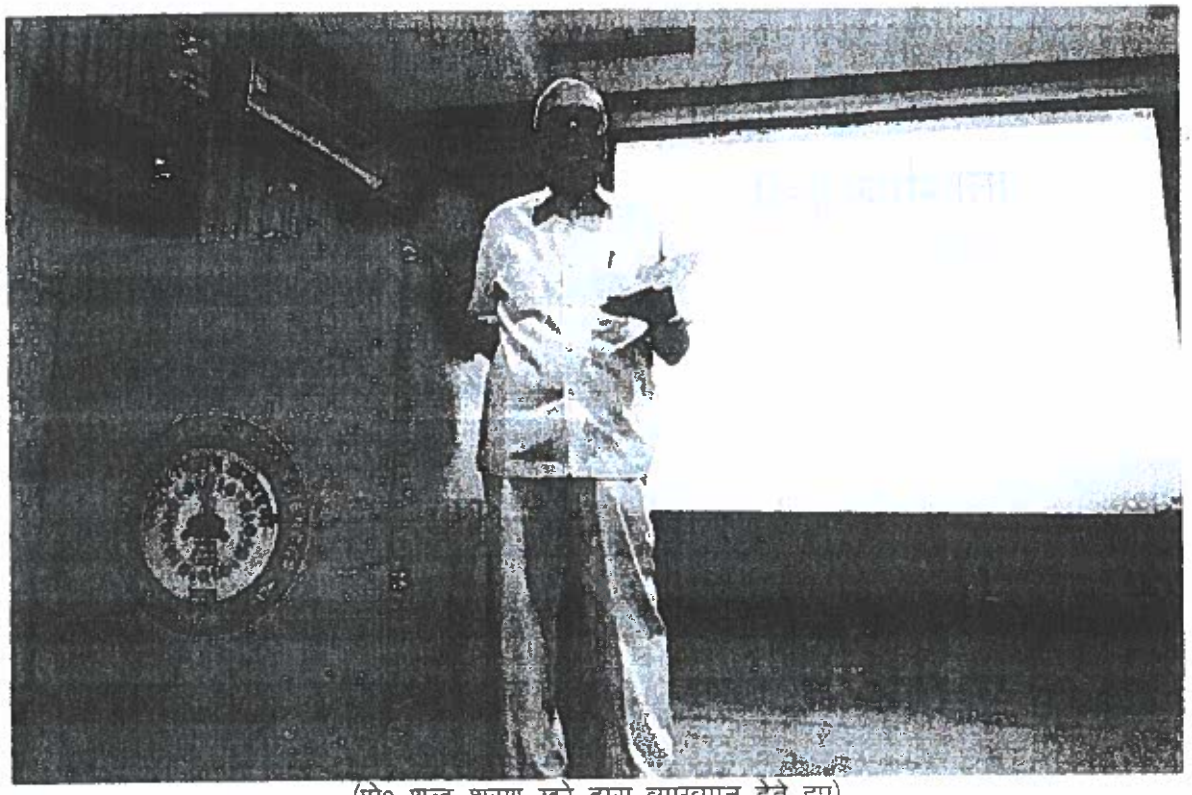

(प्रो0 शब्द शरण खरे द्वारा व्याख्यान देते हुए)

सभा के अन्त में डा0 शुक्ला जी द्वारा मुख्य अतिथि एवं उपस्थित सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापन करते हुए बैठक का समापन किया एवं गणितीय जिज्ञासा को सतत प्रोत्साहित करने का आवाहन किया।

धन्यवाद।

भवदीय

17.02.25

(शक्तिशील चतुर्वेदी)
सहायक सदस्य सचिव रा0क0स0
मासो प्रयागराज

(2)

फा. सं. ई. 14011/1/2025-रा भा.

भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

दिनांक: 02 सितंबर, 2025

कार्यालय ज्ञापन

विषय: हिंदी पखवाड़ा (14 से 28 सितंबर, 2025) का आयोजन।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा **14 से 28 सितंबर, 2025** तक हिंदी पखवाड़ा मनाने का निर्णय लिया गया है। तदनुसार राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ दिनांक 14 सितंबर, 2025 को गांधीनगर, गुजरात में होगा। इस क्रम में हमारे विभाग में इसका शुभारंभ 18 सितंबर को किया जाना है। हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित की जाने वाली **हिंदी प्रतियोगिताओं का कार्यक्रम संलग्न है (संलग्नक-1)**। इन प्रतियोगिताओं की पुरस्कार राशि निम्नानुसार है:

प्रथम पुरस्कार	एक	5,000/- रूपये
द्वितीय पुरस्कार	एक	4,000/- रूपये
तृतीय पुरस्कार	एक	3,000/- रूपये
प्रोत्साहन पुरस्कार	एक	2,000/- रूपये

प्रत्येक प्रतिभागी **अधिकतम दो पुरस्कार** प्राप्त करने का पात्र होगा।

2. अतः विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों से अनुरोध है कि वे इन प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक अधिकारी/कर्मचारी संलग्न **निर्धारित प्रपत्र (संलग्नक-2)** में **10.09.2025** तक अपने नाम हिंदी अनुभाग में भेज दें। प्रतियोगिता से संबंधित **नियम एवं शर्तें संलग्न (संलग्नक-3)** हैं।

3. इसे सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है।

अ.क.

(अरुण कंसल)

उप सचिव (हिंदी)

सेवा में,

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सभी अधिकारी/कर्मचारी ।

प्रतिलिपि:

प्रमुख, एआई प्रभाग को इस अनुरोध के साथ कि इस कार्यालय ज्ञापन को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सभी सम्बदध/अधीनस्थ कार्यालयों एवं संस्थानों में परिचालित करते हुए उनसे अपने-अपने कार्यालयों में हिंदी दिवस/हिंदी पखवाड़ा आदि का आयोजन सुनिश्चित करने तथा इस संबंध में की गई कार्रवाई से हिंदी अनुभाग को अवगत कराने का निदेश दिया जाए।

अ.क.

(अरुण कंसल)

उप सचिव (हिंदी)